ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

22-09-2025

जितना स्थापना के निमित्त बने हुए ज्वाला रूप होंगे उतना ही विनाश-ज्वाला प्रत्यक्ष होगी। संगठन रूप में ज्वाला रूप की याद विश्व के विनाश का कार्य सम्पन्न करेगी, इसके लिए हर सेवाकेन्द्र पर विशेष योग के प्रोग्राम चलते रहें तो विनाश ज्वाला को पंखा लगेगा। योग-अग्नि से विनाश की अग्नि जलेगी, ज्वाला से ज्वाला प्रज्जवित होगी।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

To the extent that you become a volcanic form and is an instrument for establishment, to that extent the flames of destruction will be revealed. The collective volcanic form of remembrance will complete the task of destruction of the world. For this, special yoga programmes should continue to take place at all the centres, because these will fan the flames of destruction. The flames of destruction will ignite from the fire of yoga, and that fire will intensify from the flames.

